Signature and Name of Invigilator Roll No. (In figures as per admission card) 1. (Signature) _____ (Name) ____ Roll No. _ 2. (Signature) ______ (In words) $(Name)_{-}$ Test Booklet No. -0907 PAPER-III

Time: $2\frac{1}{2}$ hours **EDUCATION** [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet: 40

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- 2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- 10. There is NO negative marking.

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।

- 2. लघ प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

Number of Questions in this Booklet: 26

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये परे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रृटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दसरी सही प्रश्न-पस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पहें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मुल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके. किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- 7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- 8. केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- 10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

EDUCATION

शिक्षा

PAPER-III

प्रश्न-पत्र — III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I खण्ड — I

Note: This section contains five (5) questions based on the following paragraph.

Each question should be answered in about thirty (30) words and each

carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट: इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग

तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

We live in an age of unprecedented levels of violence, with constant threats posed by intolerance, fanaticism, dispute and discordance. Ethical action, peace and welfare are facing new challenges. War and violence occur due to unresolved conflicts, though conflicts may not always lead to violence and war. Violence is one of the many possible responses to conflict. Non-violent conflict-resolution skills could be nurtured and applied constructively to disputes between the individuals, groups and nations. Education is a significant dimension of the long-term process of building up peace - tolerance, justice, intercultural understanding and civic responsibility. However, education as practised in schools often promotes forms of violence, both real and symbolic. Under these circumstances, the need to reorient education and therefore the school curriculum takes priority. As a value, it cuts across all other curricular areas, and coincides with and complements the values emphasised therein. It is, therefore, a concern cutting across the curriculum and is the concern of all teachers.

Education for peace seeks to nurture ethical development, inculcating the values, attitudes and skills required for living in harmony with oneself and with others, including nature. It embodies the joy of living and personality development with the qualities of love, hope and courage. It encompasses respect for human rights, justice, tolerance, cooperation, social responsibility, and respect for cultural diversity, in addition to a firm commitment to democracy and non-violent conflict resolution. Social justice is an important aspect of peace education. The concern for equality and social justice, which refers to practising non-exploitation towards the have-nots, the poor and the underprivileged and creating a non-violent social system, is the hallmark of education for peace. Similarly, human rights are central to the concept of peace. Peace cannot prevail if the rights of individuals are violated. Basic to human rights are the values of non-discrimination and equality, which contribute to building a culture of peace in society. These issues are inter related. Peace education is thus a host of overlapping values.

Peace education must be a concern that permeates the entire school life - curriculum, co-curriculum, classroom environment, school management, teacher-pupil relationship, teaching-learning processes, and the entire range of school activities. Hence, it is important to examine the curriculam and examination system from the point of view of how they may contribute to children's sense of inadequacy, frustration, impatience and insecurity. Also, the need to consciously counter the negative influence of the increasing violence around them, and its representation in the media, on the minds of children, and in its place promote a reflective engagement with more meaningful aspects of living an ethical and peaceful life. Education in the true sense should empower individuals to clarify their values; to enable them to take conscious and deliberate decisions, taking into consideration the consequences of their actions; to choose the way of peace rather than violence; to enable them to be makers of peace rather than only consumers of peace.

हम अभूतपूर्व हिंसा के दौर में जी रहे हैं। इस दौर में असिहष्णुता, कट्टरवाद, विवाद और विस्वरता की निरंतर आशंकाएँ हैं। नैतिक कार्य, शांति और कल्याण कार्यों के सामने नयी चुनौतियाँ पेश आ रही हैं। अनसुलझे विवादों से युद्ध और हिंसा पैदा होती है हालांकि विवाद से हमेशा युद्ध और हिंसा पैदा नहीं होते। हिंसा और युद्ध विवाद की कई संभावित प्रतिक्रियाओं में से हैं। व्यक्तियों, समूहों और राष्ट्र के संदर्भ में विवाद सुलझाने के लिये अहिंसात्मक उपाय ढूँढ़ने के कौशलों के पोषण की ज़रूरत है। शांति स्थापित करने की दीर्घकालीन प्रक्रिया में शिक्षा एक महत्वपूर्ण आयाम है। इस शांति में सहनशीलता, न्याय, अंत:सांस्कृतिक समझ और नागरिक ज़िम्मेदारियाँ शामिल हैं। हालांकि जिस प्रकार की शिक्षा आज स्कूलों में दी जाती है उससे सांकेतिक और वास्तविक हिंसा को बढ़ावा ही मिलता है। इन परिस्थितियों में शिक्षा को पुनर्परिभाषित करने की ज़रूरत है और इसीलिए स्कूली पाठ्यचर्या को प्राथमिकता मिलती है। शिक्षा के मूल्य के रूप में शांति, पाठ्यचर्या के सभी क्षेत्रों से जुड़ी हुई है और उनमें निहित मूल्यों की पूरक है और उन्हें जोड़ती है। इसिलए यह एक ऐसा सरोकार है जो पाठ्यचर्या और शिक्षकों दोनों के लिए ही चिंता का विषय बन गया है।

शांति के लिए शिक्षा नैतिक विकास के साथ उन मूल्यों, दृष्टिकोण और कौशलों के पोषण पर बल देती है जो प्रकृति और मानव जगत के बीच सामंजस्य बिठाने के लिए आवश्यक हैं। इसमें जीने का हर्ष, प्रेम, उम्मीद और साहस के आंतरिक संसाधनों के साथ व्यक्तित्व का विकास शामिल है। इसमें मानव अधिकार, न्याय, सिहण्णुता, सहकार, सामाजिक दायित्व, सांस्कृतिक विविधता का सम्मान शामिल हैं। सामाजिक न्याय शांति शिक्षा का महत्वपूर्ण घटक है। समानता और सामाजिक न्याय जिसमें गरीबों, वंचितों, शोषितों के उत्पीड़न न किए जाने संबंधी दृष्टिकोण पर ज़ोर हो और जिसमें अहिंसामूलक समाज व्यवस्था के विकास पर ज़ोर हो, उसे शांति शिक्षा का आधार होना चाहिए। इसी तरह,

D - 0907 4

मानव अधिकार शांति की अवधारणा का केंद्रीय आधार है। अगर लोगों के अधिकारों का हनन हो तो शांति का वातवरण नहीं बना रह सकता। मानव अधिकार की बुनियाद गैर-भेदभावपूर्ण आचरण और समता हैं जो समाज में शांति की व्यवस्था कायम करने की दिशा में काम करते है। ये मुद्दे आपस में जुड़े हुए हैं। इस प्रकार, शांति के लिए शिक्षा, कई मिले-जुले मूल्यों का योग है।

शांति की शिक्षा एक ऐसे सरोकार के रूप में विकसित हो जो समूचे स्कूली जीवन पर छा जाए— पाठ्यचर्या, कक्षा का वातावरण, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक-विद्यार्थी संबंध और स्कूल से जुड़ी तमाम गितविधियाँ। अतः यह आवश्यक है कि पाठ्यचर्या और परीक्षा का इस दृष्टि से मूल्यांकन हो कि कहीं ये विद्यार्थियों में अपर्याप्तता, निराशा, धीरज और असुरक्षा आदि के भावों को बढ़ावा तो नहीं दे रहे हैं। साथ ही, आसपास और मीडिया द्वारा प्रचारित हिंसा का बच्चों के मन पर जो नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है उसे सायास दूर कर नैतिक एवं शांतिपूर्ण जीवन के उद्देश्यों के गहरे अर्थों को विकसित किया जाए। शिक्षा सच्चे अर्थ में व्यक्तियों के अपने मूल्यों को स्पष्ट कर पाने में सहायक हो, उनको सजग निर्णय की दिशा में प्रेरित करे, हिंसा के स्थान पर शांति को चुनने के लिए प्रेरित करे, शांति निर्माण की प्रक्रिया से उन्हें जोड़े न कि वे केवल शांति के उपभोक्ता बने रहें।

1.	What are the threats faced by humanity for peaceful living ? शान्तिपूर्ण जीवन-निर्वाह के लिए मानवीयता के सम्मुख कौन सी जोखिमें हैं?

2.	What type of skills are required for resolving conflict among people?
	लोगों के बीच संघर्ष के निराकरण के लिए किस प्रकार की दक्षताओं की आवश्यकता है?
3.	How does education nurture values for living in harmony?
	सद्भावपूर्ण वातावरण में जीवन–निर्वाह को शिक्षा किस प्रकार परिपोषित करती है?

6

4.	Social justice is a part of peace education. Justify.
	सामाजिक न्याय शांति–शिक्षा का एक भाग है। युक्तियुक्तता सिद्ध करें।
5.	What is the place of peace education in school life?
	विद्यालय शिक्षा काल में शांति शिक्षा का क्या स्थान है?

SECTION - II खण्ड—II

Note:	This section contains fifteen (15) questions numbered 6 to 20 each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. (5x15=75 marks)	
नोट :	इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं, जिनके क्रमांक 6 से 20 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। (5x15=75 अंक)	
	kplain the characteristic features of curriculum in Gandhiji's scheme of education. धीजी की शिक्षा की योजना में पाठ्यक्रम की अभिलक्षणात्मक विशेषताओं की व्याख्या करें।	
		_
		_
		_
		_
		_

D - 0907

7.	State any five contributions of Buddha to the modern educational thought. आधुनिक शैक्षिक विचारधारा की दिशा में बुद्ध के किन्हीं पाँच योगदानों का उल्लेख करें।
8.	Compare the role of teacher according to philosophies of pragmatism and idealism. तथ्यात्मकतावादी तथा आदर्शवादी दर्शनों के अनुसार शिक्षक की भूमिका की तुलना करें।

9.	Explain the concept of equality of educational opportunities. शैक्षिक अवसरों की समानता की अवधारणा की व्याख्या करें।
10.	Explain any five constraints of social change in Indian context. भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक परिवर्तन पर किन्हीं पाँच दबावों की व्याख्या करें।

11.	State five characteristics of emotional development of adolescents. िकशोरों के आवेगात्मक विकास के पाँच अभिलक्षणों का उल्लेख करें।
12.	What is Schema? Discuss its role in assimilation and accommodation during the thinking process. 'स्किमा' क्या है? चिन्तन प्रक्रिया के दौरान आत्मसातीकरण तथा समायोजन में इसकी भूमिका की चर्चा करें।
	रियम् वया हः विस्ति । त्रात्रम्य य प्रति आसिरासायम् । स्वाचाया स्व स्ताचम सूरायम यम वया यम्

13.	What is Emotional Quotient (E.Q.)? Discuss its role on personality development.
	आवेगात्मक लब्धि (E.Q.) क्या है? व्यक्तित्व के विकास में इसकी भूमिका की चर्चा करें।
14.	Explain and illustrate the process of transfer of learning.
	सीखने के हस्तांतरण की प्रक्रिया की सोदाहरण व्याख्या करें।

15.	Differentiate between intrinsic and extrinsic motivation with examples.
	आंतरिक तथा बाह्य अभिप्रेरण के बीच उदाहरण देते हुए अंतर बताएँ।
16.	What is Counselling? Describe the principles of counselling.
	परामर्शकार्य क्या है? परामर्शकार्य के सिद्धांतों का वर्णन करें।

10 Costs the heads and advantage of some above to be described as a second	
18. State the basic principles of experimental designs in educational research. शैक्षिक शोध में प्रयोगात्मक रूपरेखा के आधारभूत सिद्धांतों का उल्लेख करें।	
शाक्षक शांच म प्रयागात्मक रूपरखा के आधारमूत सिद्धाता का उल्लेख कर ।	

19.	What are the ongoing programmes for achieving UEE ? यू.ई.ई. की प्राप्ति के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में लिखें।
20.	Discuss the basis of curriculum development. पाठ्यक्रम विकास के आधार की चर्चा करें।

SECTION - III

खण्ड—III

Note: This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose <u>only one</u> elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. (Questions 21 to 25)

(12x5=60 marks)

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। (प्रश्न 21 से 25)

(12x5=60 अंक)

Elective - I (Educational Administration and Management) ऐच्छिक — I

- **21.** How far do you agree with H. Fayol's concept of 'administration as a process'? Comment. एच. फायोल की अवधारणा 'प्रशासन एक प्रक्रिया के रूप में' से आप किस सीमा तक सहमत हैं? टिप्पणी करें।
- **22.** Explain the various modern trends in educational management. शैक्षिक प्रबंधन में विभिन्न आधुनिक प्रवृत्तियों की व्याख्या करें।
- 23. Describe the different qualities of a good leader. How would you measure the effective leadership in educational administration?

 एक अच्छे नेता के विभिन्न गुणों का वर्णन करें। शैक्षिक प्रशासन में प्रभावशील नेतृत्व को आप कैसे मापेंगे?
- 24. What is institutional planning? Discuss its importance and relevance in present educational context.

 सांस्थानिक नियोजन क्या है? वर्तमान शैक्षिक संदर्भ में इसके महत्व एवं औचित्य की चर्चा करें।
- 25. Discuss how would you plan, organize and implement supervisory programmes in education.

 चर्चा करें कि आप शिक्षा में पर्यवेक्षी कार्यक्रमों की योजना कैसे बनाएँगे तथा उन्हें कार्यान्वित कैसे करेंगे।

OR / अथवा

D-0907 16

Elective - II

(Educational Measurement and Evaluation)

ऐच्छिक — II

- **21.** Differentiate between measurement and evaluation. Explain their relevance for assessing the student's performance.
 - मापन तथा मूल्यांकन के बीच अंतर का उल्लेख करें। छात्रों के प्रदर्शन का निर्धारण करने में इनके औचित्य की व्याख्या करें।
- 22. Discuss with examples objective type-objective based evaluation. वस्तुनिष्ठ प्रकार-वस्तुनिष्ठता पर आधारित मूल्यांकन की सोदाहरण चर्चा करें।
- **23.** Define reliability. How would you determine reliability of an achievement test? Discuss. विश्वसनीयता को परिभाषित करें। एक उपलब्धि जाँच की विश्वसनियता का निर्धारण आप कैसे करेंगे?
- **24.** Briefly explain the steps followed in standardization of an achievement test. उपलब्धि-जाँच के मानकीकरण में अपनाये जाने वाले चरणों की संक्षिप्त व्याख्या करें।
- 25. Discuss the new trends in evaluation. मूल्यांकन की नवीन प्रवृत्तियों की चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - III (Educational Technology)

ऐच्छिक – III

- 21. Discuss the meaning, scope and components of educational technology. शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अर्थ, विषय-विस्तार तथा संघटकों की चर्चा करें।
- 22. Elaborate the role of multimedia approach in education. शिक्षा में मल्टीमीडिया उपागम की भूमिका का सविस्तार उल्लेख करें।

23. Explain the different modalities of teaching.

शिक्षण की विभिन्न रूपात्मकता की चर्चा करें।

24. Illustrate the Flander's Interaction Analysis system for modification of teaching behaviour.

शिक्षण व्यवहार के परिष्करण के लिए फ्लैंडर की अंतरिक्रया विश्लेषण प्रणाली की सोदाहरण व्याख्या करें।

25. Describe the various evaluation strategies and counselling methods followed in distance education.

दूरवर्ती शिक्षा में अनुसरित मूल्यांकन की विविध रणनीतियों तथा परामर्शन विधियों का वर्णन करें।

OR / अथवा

Elective - IV

(Special Education)

ऐच्छिक – IV

21. Explain the concept of Special Education. Give a brief account of its historical development in India.

विशिष्ट शिक्षा की अवधारणा की व्याख्या करें। भारत में इसके ऐतिहासिक विकास का संक्षिप्त ब्योरा प्रस्तुत करें।

22. Describe the characteristics of mentally retarded children. Suggest remedial programmes for them.

मानसिक रूप से मन्दित बच्चों के अभिलक्षणों का वर्णन करें। उनके लिए उपचारी कार्यक्रम सुझाएँ।

23. What is visual 'impairment'? Discuss various characteristics of visually impaired children and suggest some remedial educational programmes for them.

दृष्टि बाधिता क्या है? दृष्टि बाधित बच्चों के विभिन्न अभिलक्षणों की चर्चा करें तथा उनके लिए कुछ उपचारी कार्यक्रमों का सुझाव दें।

D - 0907 18

24. Write the characteristics of hearing impaired children. Discuss various preventive measures to be adopted for them.

श्रवण बाधित बच्चों के अभिलक्षणों का उल्लेख करें। उनके लिए अपनाये जाने वाले कुछ रोधात्मक उपायों की चर्चा करें।

25. Critically analyse the anti-social and character disorder activities of juvenile delinquents. Suggest educational programmes for their rehabilitation.

बाल अपराधियों के असामाजिक तथा चरित्रपरक विकृतियों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें। उनके पुनर्वास के लिए कुछ शैक्षिक कार्यक्रमों का सुझाव दें।

OR / अथवा

Elective - V

(Teacher Education)

ऐच्छिक – V

21. Discuss the role of NCTE in the quality improvement of teacher education programmes in India.

भारत में शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमों के गुणात्मक सुधार में एन.सी.टी.ई. की भूमिका की चर्चा करें।

22. Comment on 'Teaching as a Profession'. Critically examine the relevance of the programmes used for professional appraisal of teachers.

'*एक पेशा के रूप में शिक्षण कार्य'* पर टिप्पणी करें। शिक्षकों के पेशापरक मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त कार्यक्रमों के औचित्य का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

23. Elaborate the effectiveness of inservice training programmes for elementary school teachers.

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के सेवान्तर्गत प्रशिक्षण की प्रभावशीलता की विस्तृत चर्चा करें।

24.	Discuss the role of various National Bodies for preparation and implementation of teacher education curriculum in India.
	भारत में शिक्षक–शिक्षा पाठ्यक्रम को बनाने तथा उसे लागू करने में विभिन्न राष्ट्रीय निकायों की भूमिका की चर्चा करें।
25.	What modification in teacher's behaviour would you suggest for effectively meeting the demands of present day learner? Substantiate your answer with recent research findings.
	आज के अध्येता की माँगों की प्रभावशील ढंग से पूर्ति करने के लिए आप अध्यापक के व्यवहार में कौन से परिवर्तन सुझाएंगे? उत्तर को आधुनिक शोध परिणामों से प्रमाणित कीजिए।

D-0907 20

SECTION - IV खण्ड—IV

Note: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. (40x1=40 marks)नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। (40x1=40 अंक) 26. Impact of globalisation on education. शिक्षा पर ग्लोबलाइज़ेशन का प्रभाव। OR / अथवा Education as a fundamental right. शिक्षा एक आधारभूत अधिकार। OR / अथवा

Vocationalisation of education - its mission and vision.

शिक्षा का उद्यमीकरण - उसका लक्ष्य और दृष्टि।

_
_
_
_
—
_
_
_
_
—
_
—
_
_
—
_

_
_
_
_
—
_
_
_
_
—
_
—
_
_
—
_

FOR OFFICE USE ONLY							
	Marks Obtained						
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)
(i	n figures)
Signature & Name of th	e Coordinator
(Evaluation)	Date

D - 0907 40